पंच परमेष्ठी की स्तुति, वंदना के साथ पांच करोड़ नवकार जाप महाअनुष्ठान शुरू

बीकानेर, (कासं)। आचार्य जिन पीयूष सागर सूरीश्वर आदि ठाणा 18, प्रवर्तिनी विचक्षण व चन्द्रप्रभी सुशिष्या विजय प्रभा व प्रभंजनी आदि ठाणा 5 के सानिध्य में सोमवार से 5 करोड़ नवकार जाप महा अनुष्ठान शुरू हुआ।

आचार्य ने पंच परमेष्ठी की स्तुति, वंदना के साथ जाप के लिए आध्यात्मिक व धार्मिक क्रियाओं से श्रावक-श्राविकाओं मन व आत्म शुद्धिकरण करवाया। आचार्य के नेतृत्व में चतुर्विद संघ (साधु-साध्वी,श्रावक-श्राविकाओं) ने नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप कर प्रवचन पंडाल को पंच परमेष्ठी मय बना दिया। आचार्य ने कहा कि णमोकार मंत्र अनादि है। णमोकार मंत्र को नवकार मंत्र, नमस्कार मंत्र या पंच परमेष्ठी नमस्कार मंत्र भी कहा जाता है।

इस मंत्र में अरिहंतों, सिद्धों, आचार्यों, उपाध्यायों और साधुओं को नमस्कार किया गया है। नवकार मंत्र के 9 पद है, 8 संपदा, 7 गुरू अक्षर है और 61 लघु अक्षर सहित कुल 68 अक्षर है। णमोकार मंत्र में णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं, णमो आयरियाणं, नमो उवज्जयाणम, नमो लोई सव्व साहूणं एसो पंच णमोक्कारो, सव्व पावप्पणासणो (सभी पापों का नाश करने वाले), पधामं हवै मंगलम है। इस मंत्र का जाप द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव, आसन, विनय, मन, वचन व काय शुद्धि से करने से पापों का क्षय होता है तथा आत्मा के शुद्ध-प्रबुद्ध होती है।

बीकानेर के ढड्ढा चौक में नवकार महामंत्र जाप महानुष्ठान में सामूहिक जाप करवाते आचार्य जिन पीयूष सागर सूरीश्वर महाराज।

मुनि सम्यक रतन सागर ने कहा कि नवकार के एक अक्षर से सात सागरोपम यानि हाथी के वजन जितनी स्याही को पानी में घोलकर लिखने जितना, एक पद से पचास, सम्पूर्ण नवकार से पांच सौ सागरोपम के पाप नष्ट होते है। विधिपूर्वक जिनेश्वर भगवान की पूजा करके गुरु के बताए मार्ग पर चलते हुए श्रद्धा व विश्वास से एक लाख जाप करने वाली आत्मा तीर्थंकर नामक का बंध करती है।

आठ करोड़ आठ लाख आठ हजार आठ सौ आठ नवकार जाप करने वाला तीसरे भव में मोक्ष प्राप्त करता है। जाप के दौरान माला भूमि पर, आसन पर, चरवला, अथवा मुंह पति नहीं रखनी चाहिए। जाप के समय माला हृदय के नजदीक, नाभि से ऊपर नाक के नीचे होनी चाहिए। नवकार जाप पूर्वाभिमुख या उत्तराभिमुख होकर करें।

सुगनजी महाराज का उपासरा ट्रस्ट के मंत्री रतन लाल नाहटा ने बताया कि बीकानेर में पहली बार होने वाले नवकार जाप महा अनुष्ठान के प्रति श्रावक-श्राविकाओं में श्रद्धा व भक्ति नजर आ रही है। खरतरगच्छ संघ के साथ अन्य गच्छ व समुदाय के जैन

- **बीकानेर में पहली बार होने वाले नवकार जाप महा अनुष्ठान के प्रति श्रावक-श्राविकाओं में श्रद्धा व भक्ति उमड़ी**
- **जाप करने वालों का अभिनंदन किया जायेगा**

श्रावक-श्राविकाएं भी महाअनुष्ठान में बढ़कर चढ़कर हिस्सा ले रहे है। महा अनुष्ठान 17 अक्टूबर तक चलेगा।

श्री जिनेश्वर युवक परिषद के अध्यक्ष संदीप मुसरफ व मंत्री मनीष नाहटा ने बताया कि जाप करने वाले श्रावक-श्राविकाओं को आसन, माला व कार्ड दिया जा रहा है। प्रत्येक श्रावक-श्राविकाओं को प्रतिदिन नौ माला व्यक्तिगत या परिवार के सदस्यों को मिलकर गिननी होगी।

अपरिहार्य परिस्थिति में जाप पूर्व पश्चात करके पूरा कर सकते है। नवकार जाप से पूर्णाहुति के समय 9 लक्की ड्रा निकाले जायेंगे व जाप करने वालों का अभिनंदन किया जायेगा। संघ पूजा का लाभ सुश्रावक जेठमल, मैना देवी पारख परिवार ने लिया।

शहर में तीसरी आंख का हो पहरा

हनुमानगढ़, (कासं)। हनुमानगढ़ शहर में विकास कार्यों से पहले सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग उठने लगी है। नागरिकों की मानें तो आज के हालात के समय इलाके में सीसीटीवी होने चाहिए। इससे इलाके में घूमने वाले असामाजिक तत्वों पर नजर रहेगी और जहां घटना घटेगी तो उन पर पकड़ पाने में आसानी होगी।

शहर के विभिन्न वार्डों में सीसीटीवी होने से पुलिस कर्मियों को भी जांच में मदद मिलेगी। व्यापारी और सामाजिक संगठनों द्वारा भी शहर की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग निरंतर की जा रही है। लोगों की मांग है कि नगर परिषद क्षेत्र के दायरे में आने वाली सभी कॉलोनियों में सीसीटीवी लगने चाहिए। गली मोहल्लों में लगाये सोसायटी सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों के अनुसार प्रत्येक गली मोहल्ले की एक सोसायटी होनी चाहिए। यह सोसायटी जन सहयोग से कैमरे लगाए और उनकी मॉनिटरिंग करें ताकि मोहल्लों में आने-जाने वाले असामाजिक तत्वों पर नजर रहें।

इसके लिए जिला प्रशासन, नगर परिषद और पुलिस प्रशासन को अभियान चलाकर जागरूक किया जाना चाहिए। नागरिकों की मांग है कि नगर परिषद शहर के एंट्री प्वाइंट पर कैमरे लगाए और कंट्रोल का अधिकार नगर परिषद के पास ही होना चाहिए। एंट्री प्वाइंटों पर वायरलैस सिस्टम आधारित कैमरे लगाए जाने चाहिए।

सार-समाचार

राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया

बीकानेर में राज्यपाल कलराज मिश्र को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

बीकानेर, (कासं)। राज्यपाल कलराज मिश्र सोमवार प्रातः नाल एयरपोर्ट पहुंचे। यहां पहुंचने पर संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सतीश के. गर्ग, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरूण कुमार, पूर्व कुलपति राजूवास प्रो. ए. के. गहलोत, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने उनकी अगवानी की। इस दौरान राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

गौशाला की चार दीवारी का लोकार्पण

चूरू, (कासं)। बालरासर तंवरान स्थित गोविंद गौशाला सेवा संस्थान में बनवारी लाल, किशनलाल इंदौरिया ने अपने माता-पिता श्योलाराम इंदौरिया व मोहरा देवी की स्मृति में चार दीवारी का निर्माण करवाया, जिसका लोकार्पण मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह राठौड़ ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोहर लाल भारद्वाज ने की। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विधायक हरलाल सहारण, पद्म भूषण देवेंद्र झाझडिया, रामसिंह राठौड़, भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ. वासुदेव चावला, प्रधान दीपचन्द राहड़, विक्रम सिंह कोटवाद, पंचायत समिति सदस्य संजय रूयल व सरपंच तारामणी थे। इस अवसर पर सचिव महेंद्र पाल सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष प्रताप सिंह तंवर, सावंतसिंह, रतन सिंह, नरपत सिंह, गिरधारी शर्मा, पलाराम, लेखराज सोनी, महावीर सिंह, इकबाल खान, डॉ. ओम प्रकाश आर्य, बजरंग सिंह मास्टर, महावीर सिंह, महेंद्र कुमार भार्गव, राजेंद्र सिंह आदि ग्रामीणों ने अतिथियों का मार्ल्यापण कर स्वागत किया। इस अवसर पर राठौड ने कहा कि इस प्रकार से गायों की सेवा करना एक सराहनीय कार्य है।

शर्मिला कटारिया को मिली स्कूटी

सादुलपुर, (निसं)। राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ में अध्यनरत चैनपुरा छोटा निवासी शर्मिला कटारिया पुत्री झींडा राम को काली बाई भील स्कूटी योजना अन्तर्गत स्कूटी दी गई। ज्ञातव्य है कि स्कूटी वितरण का कार्यक्रम राजकीय लोहिया महाविद्यालय चूरू में किया गया। उक्त स्कूटी कक्षा 12 में 91.20 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर मिली है। गौरतलब है कि शर्मिला कटारिया ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चैनपुरा छोटा में सन् 2022 में कक्षा 12वीं कक्षा उतीर्ण की थी। वहीं स्कूटी मिलने पर सभी परिजनों में उत्साह का माहौल है।

स्नेह मिलन समारोह आयोजित

चूरू, (कासं)। स्थानीय दुर्गा भवन में स्वर्णकार समाज का स्नेह मिलन समारोह सौहार्द पूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें समाज के युवा वर्ग, व्यापारी वर्ग, कर्मचारी-अधिकारी वर्ग और बुद्धिजीवी वर्ग के सैंकड़ों सदस्यों ने भाग लिया। स्वर्णकार समाज के आदी पुरुष श्रीअजमीढ़जी महाराज और दुर्गा स्वरूप मां सती सावित्री माता कोटड़ी वाली के फोटो पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम जा शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में समाज के विकास हेतु विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया। समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने हेतु शीघ्र ही आयोजन करने एवं आयोजन पर होने वाले समस्त व्यय को वहन करने के लिए समाज में भामाशाह के रूप में दशरथ ढल्ला ने प्रतिज्ञा ली। इस अवसर पर समाज के वर्तमान अध्यक्ष विष्णु व पूर्व अध्यक्ष सत्य नारायण ने अपने विचार व्यक्त किए। शिक्षाविद डॉक्टर के सी सोनी, महेश कुमार सोनी, सीताराम बैराडिया, पूर्णमल जम्बूवाल, डॉक्टर मोतीलाल, सत्यनारायण संखत आदि ने विचार व्यक्त किए।

लियाकत की मौत का राजफाश, मां-बेटा व बेटी ने जहर खिलाया

बीकानेर, (कासं)। पूगल थाना इलाके के सूरासर गांव में पांच महीने पहले एक युवक की हत्या के मामले का राजफाश किया। आरोपी मां-बेटा व बेटी हैं।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) डॉ. प्यारेलाल शिवरान के मुताबिक रामसर छोटा हाल पता ढाणी 729 आरडी निवासी मघी देवी (45) पत्नी पप्पूराम मेघवाल, भंवरराम (21) पुत्र पप्पूराम मेघवाल एवं सरोज उर्फ सूरजा (20) पुत्री पप्पूराम मेघवाल ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने लियाकत पुत्र ताजू खां को जहरीला पदार्थ खिला दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस जांच में पता चला कि मृतक लियाकत एवं सरोज के बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था।

पूगल एसएचओ धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि आरोपी पुलिस को पिछले पांच महीने से मनगढ़ंत कहानी रचकर गुमराह कर रहे थे। पुलिस को उनके बयानों पर शक हुआ। दो दिन पहले युवती से सख्ती से पूछताछ की तो राज खुल गया। पुलिस ने एक-एक कर युवती व उसकी मां व भाई को भी

- **पूगल थाना इलाके के सूरासर गांव में पांच महीने पहले एक युवक की हत्या के मामले का राजफाश**
- **जांच में मृतक लियाकत एवं सरोज के बीच प्रेम-प्रसंग का खुलासा हुआ**

गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने स्वीकार किया कि लियाकत अली को विषाक्त देकर मारा गया।

15 फरवरी की रात करीब दो बजे मृतक लियाकत अली अपनी बाइक से बिलाल खां पुत्र सलाम खां के साथ भंवरराम मेघवाल पुत्र पप्पूराम मेघवाल की ढाणी 729 आरडी गया था। उस समय ढाणी में भंवरराम, उसकी मां मघी देवी व बहन मौजूद थी। लियाकत व बिलाल ने उन्हें कहा कि वे आगे जाकर आये हैं। सर्दी लगने लगी तब यहां रूके। सर्दी से बचने के लिए कुछ ओढ़ने को दें। तब उन्हें बिस्तर दिया सब सो गए। करीब एक घंटे बाद मघी देवी ने अपनी बेटी को लियाकत अली के साथ संदिग्ध हालत में देखा। उसने बेटे भंवरराम को बताया।

इसके बाद मघी देवी, भंवरराम व सरोज ने फसल में छिड़काव की जाने वाली कीटनाशक दवा पानी में मिलाकर लियाकत को पिला दी। बाद में शव को झोंपड़े से बाहर लाकर पेड़ से लटका दिया ताकि आत्महत्या लगे। जब बिलाल नींद से जागा तो उन्होंने उसे कहा कि लियाकत ने खुद फांसी लगाई है।

भंवरराम ने ही मृतक लियाकत की ढाणी जाकर सूचना दी कि लियाकत अचानक बेहोश हो गया। परिजन ढाणी आये और उसे अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पूगल थानाधिकारी धर्मेन्द्र सिंह, खाजूवाला थानाधिकारी बलवंत कुमार, हवलदार मनोहर सिंह, बजरंग लाल आदि ने करीब पांच महीने की मेहनत कर मर्डर का राज खोला और आरोपियों को गिरफ्तार किया।

बाइक की टक्कर से युवक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। गांव डोकवा के पास बस स्टैंड से पैदल जा रहे एक युवक की एक मोटरसाइकिल चालक ने टक्कर मार दी, गंभीर चोट लगने के कारण युवक की मौत हो गई। मृतक युवक अपने माता पिता की इकलौती संतान था।

सोमवार को दर्ज मामले में थाना अधिकारी पुष्पेंद्र झाझड़िया ने बताया कि जुगल किशोर धाणक निवासी भामासी ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि उसका चचेरा भाई पारस हमेशा की तरह सादुलपुर में मजदूरी करने गया था। शाम को मजदूरी कर वापस बस से उतरकर बस स्टैंड डोकवा से पैदल-पैदल गांव की तरफ आ रहा था। तभी गांव के कृष्ण कुमार के घर के पास शाम को करीब सात बजे पहुंचा, तो पीछे से मोटरसाइकिल चालक महेश ने उसके भाई को टक्कर मार दी, जिसके कारण उसके भाई को गंभीर चोटें लगी। सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचे तथा उसके भाई को उपचार के लिए वाहन से हिसार के लिए रवाना हुए, लेकिन हिसार पहुंचने से पहले ही उसके भाई पारस की दुर्घटना में आई चोटों के कारण मौत हो गई। दर्ज मामले में बताया कि पारस उसके चाचा राजवीर का एकमात्र पुत्र था, जिसकी मौत हो जाने के कारण उसके चाचा की दिमागी हालत खराब हो गई।

रंजिश में किया जानलेवा हमला, गोली चलाई

सूरतगढ़, (कासं)। पुरानी रंजिश को लेकर बडोपल रोड पर कैम्पर पर मुंह ढककर करीब सात जने डंडों से लैस होकर आए और एक वाहन सर्विस स्टेशन पर खड़े एक व्यक्ति पर डंडों से हमला करके घायल किया। इस दौरान दो हमलावरों ने गोलियां चलाई, जो एक व्यक्ति के बाएं हाथ पर लगी।

शोर शराबा से सभी हमलावर गाड़ी सहित फरार हो गए। परिजन व अन्य राहगीर मौके पर पहुंचे और घायल को यहां ट्रोमा सेंटर लाया गया। जहां चिकित्सकों ने घायल व्यक्ति का प्राथमिक उपचार कर श्रीगंगानगर रेफर किया। वहीं डीएसपी प्रतीक मील व सिटी थाना के एएसआई गुरदीप सिंह मौके पर पहुंचे व घायल से घटनाक्रम के बारे में जानकारी ली।

सिटी के एएसआई गुरदीप सिंह ने बताया कि किशनपुरा ढाणी निवासी मोहनलाल (45) पुत्र मनफूलराम जाट रविवार शाम करीब छह बजे अपने भतीजे भीमसेन के साथ बड़ोपल रोड पर योगराज स्वामी के वाहन सर्विस स्टेशन पर बोलेरो गाड़ी की धुलवाई करवा रहा था। इस दौरान बाजार की तरफ से एक कैम्पर गाडी आई। जिसमें

- **वाहन सर्विस स्टेशन पर खड़े एक व्यक्ति पर डंडों से हमला किया**

करीब मानकथेड़ी निवासी सोनू पुत्र कालूराम, रंगमहल निवासी नरेश ढाका सहित सात जने सवार थे। इन लोगों ने मुंह ढक रखा था। इन सभी लोगों ने डंडों से हमला किया तो वह भागकर सर्विस स्टेशन के गेट के अंदर जाने लगा तो नरेश ढाका ने पिस्तौल से 4-5 गोलियां चलाई, जो एक उसके बाएं हाथ की बाजू पर लगी। इसके बाद सोनू ने भी पिस्तौल से फायर किए जो उसके नहीं लगे। शोर शराबा होने पर हमलावर कैम्पर से मोहनलाल की बोलेरो को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर रंगमहल रोड की तरफ गाड़ी सहित भाग गए।

मोहनलाल के गोली लगने की सूचना मिलने पर डीएसपी प्रतीक मील ट्रोमा सेंटर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली। किशनपुरा ढाणी से भी घायल के परिचित पहुंचे और घायल के के बारे में जानकारी ली।

राजस्थानी फिल्मों को अनुदान देने की मांग

चूरू, (कासं)। निकटवर्ती गांव ख्याली निवासी फिल्म निर्माता-निर्देशक राजेन्द्र सिंह शेखावत ने राजस्थानी सिनेमा के विकास हेतु मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री व कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी के नाम हिन्दी में खुला पत्र लिखा है। फिल्म निर्माता-निर्देशक शेखावत ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री व कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी को लिखे पत्र बताया कि, आपकी सरकार ने राजस्थानी सिनेमा के विकास हेतु आज तक कुछ भी नहीं किया है। यह राजस्थानी सिनेमा के साथ सरासर अन्याय है। शेखावत ने लिखा कि आपसे पहले बीडी कल्ला और अशोक गहलोत ने राजस्थानी सिनेमा को हाशिए से भी बाहर धकेल दिया था। बी.डी. कल्ला और अशोक गहलोत वर्ष 2022 में 17 में से 11 फिल्मों को अनुदान से वंचित करके राजस्थानी सिनेमा के इतिहास में काले पन्ने बन चुके हैं। वर्ष 2022 में 17 में से चन्द्र फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले बनी केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से यू प्रमाण पत्र प्राप्त फिल्म बावळती सहित 11 फिल्मों को अनुदान से वंचित करने के बाद अगले वर्ष 5 अन्य फिल्मों को भी एक रुपया अनुदान नहीं दिया, जबकि घोषणा यू प्रमाण पत्र वाली फिल्म को 25 लाख रुपए देने की कर रखी थी।

तुमसा नहीं देखा कार्यक्रम कल

बीकानेर, (कासं)। अमन कला केन्द्र द्वारा कल 31 जुलाई को शाम 7:00 बजे टाउन हॉल में हिन्दी सिनेमा के जाने-माने पार्श्व गायक मोहम्मद रफी की 44 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर तुमसा नहीं देखा कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

आयोजक अनवर अजमेरी व ख्वाजा हसन कादरी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होटल रॉयल इन रानी बाजार के डायरेक्टर इकबाल हुसैन समेजा होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहम्मद सदीक चौहान, डॉ प्रवीण चतुर्वेदी करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में रोशन अली बागवान, सैयद अख्तर अली, अहमद हारून कादरी, डॉ मुकेश सिंघल आदि होंगे।

गौशाला में और बाड़े बनें तो बेसहारा पशुओं को जगह मिले

बीकानेर, (कासं)। एक तरफ जहां शहर की सड़कों पर खुले में बेसहारा पशु घूम रहे हैं व आमजन के लिए समस्या बने हुए हैं। वहीं दूसरी ओर सरह नथानियां स्थित निगम गौशाला में पर्याप्त स्थान होने के बाद भी उसका सदुपयोग नहीं किया जा रहा है।

निगम गौशाला में बाड़ों सहित अन्य सुविधाओं के बढ़ने से सड़कों पर घूम रहे बेसहारा पशुओं को इसमें रखा जा सकता है। गौशाला परिसर में दर्जनों बीघा जमीन खुली पड़ी है। एक योजना के तहत यहां और बाड़े, चारा गोदाम सहित अन्य सुविधाएं की जाएं तो हजारों पशुओं को यहां रखा जा सकता है। फिलहाल तो निगम प्रशासन यहां छह बाड़ों का निर्माण करवाकर इतिश्री कर चुका है।

पूगल रोड स्थित निगम गौशाला में वर्तमान में छह बाड़े बने हुए हैं। इन बाड़ों में छोटे-बड़े करीब ढाई हजार पशुओं को रखा जा सकता है। वर्तमान में करीब 1800 पशु इसमें रह रहे हैं। जानकारों का कहना है कि गौशाला परिसर में खाली पड़ी भूमि पर दस और बाड़ों का निर्माण होना चाहिए। इन बाड़ों में पांच से छह हजार तक पशु रखे जा सकते हैं। सड़कों पर घूम रहे पशुओं में से अगर छह हजार पशुओं को गौशाला में रखा जाता है तो शहर की समस्या का काफी हद तक समाधान हो सकता है।

निगम गौशाला में दस बाड़े, एक चारा गोदाम, एक पशु चिकित्सालय, श्रमिक क्वार्टर और बनें तो हजारों पशुओं को इसमें रखा जा सकता है। निगम गौशाला का वर्तमान में संचालन कर रही समिति की ओर से भी इन सुविधाओं की मांग महापौर व आयुक्त से की जा चुकी है। शहर की सड़कों से बेसहारा पशुओं को हटाने के लिए गंभीरतापूर्वक प्रयासों की जरूरत है।

गुलाबी सुंडी का प्रकोप आर्थिक हानि स्तर से अधिक पाया

श्रीगंगानगर, (कासं)। गुलाबी सुंडी के सर्वेक्षण एवं प्रभावी प्रबंधन हेतु गठित निरीक्षण दल द्वारा सोमवार को चूनावढ सहायक कृषि अधिकारी क्षेत्र में चक 7 जी छोटी, 9 जी छोटी, 14 जी छोटी 28 जीजी, 34 जीजी में कपास फसलों का सघन निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान किसान 9 जी छोटी में किसान राजवंत सिह के तीन

- **गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के उपाय की जानकारी दी**

बीघा खेत में गुलाबी सुंडी का प्रकोप आर्थिक हानि स्तर से अधिक पाया गया। बाकी क्षेत्र के अन्य स्थानों पर कपास की फसलों में गुलाबी सुंडी का प्रकोप आर्थिक हानि स्तर से नीचे पाया गया। निरीक्षण दल में सुशील कुमार शर्मा सहायक निदेशक कृषि श्रीगंगानगर, कविता सहायक निदेशक कृषि श्रीगंगानगर, रिया चावला टैक्नीकल असिस्टेंट सीआईपीएमसी

श्रीगंगानगर में कृषि विभाग के दल ने गुलाबी सुंडी से प्रभावित खेतों का निरीक्षण किया।

श्रीगंगानगर, अनिल कुमार कृषि पर्यवेक्षक चूनावढ, पूनम सहायक कृषि अधिकारी चूनावढ, पल्लवी कृषि पर्यवेक्षक 3 एच छोटी, रेणु 13जी छोटी शामिल थे। निरीक्षण के दौरान उपस्थित कृषकों को फेरोमेन ट्रैप के इंस्टॉलेशन तथा गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के उपाय के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस संबंध में कृषकों को 60 दिन से ऊपर की कपास फसलों में विभाग द्वारा अनुशंसित कीटनाशकों के छिड़काव की जानकारी दी गई।

नाला निर्माण की मांग

सादुलपुर, (निसं)। नवनिर्मित सड़क झुन्झुनूं-राजगढ के कारण शहर के धनरूप नगर, लक्ष्मी नगर व ज्योति नगर के घरों में उत्पन्न हुई पानी निकासी की मांग को लेकर सोमवार को वार्डवासियों ने उपखण्ड अधिकारी राजगढ को ज्ञापन सौंपा।

पूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष जगत सिंह, रामानन्द सरावग, राजेन्द्र कुमार पूनियां, मोहरसिंह पूनियां, अमर चन्द पूनियां, रणसिंह पूनियां, विरेन्द्र सिंह पूनिया, विरेन्द्र सिंह योगी सहित सैंकडों लोगों के हस्ताक्षयुक्त सौंपे ज्ञापन में बताया है कि झुन्झुनूं राजगढ सडक निर्माण के कारण धनरूप नगर, लक्ष्मी नगर व ज्योति नगर उक्त कॉलोनियों के लगभग 300 घरों में जल निकासी की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। हालात इस कदर हैं कि यह तो इन्द्र देव मेहरबान नहीं है वरना सभी घरों में पानी चला जाता। ज्ञापन में बताया है कि गलियां सडक से 3-4 फीट नीची हो गई हैं, पानी सडक किनारे पडा है, गलिया बन्द हैं तथा आवागमन बाधित है। जिस कारण समस्या विकराल रूप ले इससे पूर्व ही सार्वजनिक निर्माण विभाग या संबन्धित ठेकेदार से वार्ता कर सडक के दोनों तरफ नाले का निर्माण करवाया जावे।

सूरतगढ़ में धोरों का सीना चीर खनन माफिया कूट रहे हैं चांदी

श्रीगंगानगर, (कासं)। सूरतगढ़ नगर पालिका पेराफेरी क्षेत्र में खनन और भूमाफियाओं की जुगलबंदी राजकीय भूमि के साथ- साथ रेतीले धोरों को भी निगल रही है। खनन माफिया जहां पालिका स्वामित्व की भूमि पर खड़े धोरों से दिन रात रेत का मुफ्त दोहन कर चांदी कूट रहे हैं। वहीं धोरों के खत्म होने के बाद खाली भूमि पर भूमाफिया अतिक्रमण कर वारे न्यारे कर रहे हैं।

इस जुगलबंदी का नतीजा यह है कि महज डेढ़ दशक में ही सूरतगढ़ के दक्षिणी भाग में शहर से सटे विशाल धोरे अब लुप्त हो चुके हैं और यहां बड़े पैमाने पर अतिक्रमण नजर आते हैं। दिन रात चल रहे रेत के अवैध रेत दोहन से इन वार्डों के नागरिक परेशान हैं। इसके बावजूद जिम्मेदारों की आंख अभी नहीं खुली है।

शहर के दक्षिणी भाग में डेढ़ दशक पूर्व तक कभी रेत के विशाल धोरे नजर आते थे। शहर के प्राचीन जाल बाबा रामदेवजी मंदिर से श्रीहनुमान खेजड़ी मंदिर तथा यहां से लगभग मानकसर तक रेत के साफ सुथरे धोरों का

- **खनन माफिया पालिका स्वामित्व की भूमि पर धोरों से दिन रात रेत का मुफ्त दोहन कर चांदी कूट रहे हैं तथा फिर खाली जमीन पर कब्जे हो जाते हैं**

साम्राज्य था। इनमें श्रीहनुमान खेजड़ी मंदिर के दोनों तरफ धोरे तो शहरवासियों को खासे पसंद आते थे। यहां सुबह शाम तथा बरसात के दिनों में शहरवासियों का मेला सा लगता था और वे यहां से सुंदर नजारों का जमकर आनंद उठाते थे। लेकिन अब ये धोरे सिर्फ नागरिकों की स्मृति में ही शेष हैं।

बढ़ती आबादी के मद्देनजर राजस्व विभाग की ओर से वर्ष 2011-12 में नगर पालिका को शहरी परिधि के करीब दो किलोमीटर में पेराफेरी भूमि हस्तांतरित की गई थी। लेकिन यह भूमि नगर पालिका पेराफेरी क्षेत्र में आते ही दक्षिणी भाग के खसरों में स्थित इन धोरों के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया। समय के साथ शहर में दिन दुनी रात चौगुनी बढ़ती भूमि की कीमतों से यह धोरे भूमाफियाओं की नजर में चढ़ गए। जिसके बाद भूमाफियाओं व खनन माफियाओं की मिलीभगत से धोरों से अंधाधुंध रेत दोहन का सिलसिला शुरु हो गया। शहर में बढ़ती आबादी के चलते कॉलोनियों और मकानों के निर्माण में बेतहाशा वृद्धि हुई है।

जानकारी के अनुसार रेत की एक ट्रॉली की कीमत लगभग चार सौ रूपए है। एक छोटे मकान में भर्ती के लिए भी चालीस से पचास ट्रॉली लगती है। ऐसे में खनन माफिया मुफ्त में धोरों का दोहन कर लाखों के वारे न्यारे कर रहे हैं। वहीं रेत दोहन के बाद खाली भूमि पर भूमाफिया अतिक्रमण कर रहे हैं। रेत दोहन से उड़ती मिट्टी से धोरों से सटते वार्डों के नागरिक परेशान हैं। रेत खनन के दौरान दिन रात मिट्टी उड़ती रहती है।